Final

INTERMEDIATE EXAMINATION – 2019 (ANNUAL)

HINDI (Model Set)

Time : 03 Hrs. 15 Minutes **Full Marks : 100**

समय : 03 घंटे 15 मिनट पूर्णांक : 100

(हिन्दी)

I.A. – LL-HINDI (OPT)

परीक्षार्थियों के लिए निर्देश :–

Instructions for the candidates :-

1. परीक्षार्थी यथासंभव अपने शब्दों में ही उत्तर दें।
2. दाहिनी ओर हाशिये पर दिये हुए अंक पूर्णांक निर्दिष्ट करते हैं।
3. इस प्रश्न को ध्यानपूर्वक पढ़ने के लिए 15 मिनट का अतिरिक्त समय दिया गया है।
4. यह प्रश्न–पत्र दो खण्डों में है, खण्ड–अ एवं खण्ड–ब।
5. खण्ड–अ में 50 वस्तुनिष्ठ प्रश्न हैं, सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

   (प्रत्येक के लिए 1 अंक निर्धारित है, इनका उत्तर उपलब्ध कराये गये OMR–शीट में दिये गये सही वृत्त को काले/नीले बॉल पेन से भरें। किसी भी प्रकार के ह्वाइटनर/तरल पदार्थ/ब्लेड/नाखून आदि का उत्तर–पुस्तिका में प्रयोग करना मना है, अन्यथा परीक्षा परिणाम अमान्य होगा।)
6. खण्ड–ब में कुल 6 विषयनिष्ठ प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न के समक्ष अंक निर्धारित हैं।
7. किसी तरह के इलेक्ट्रॉनिक–यंत्र का प्रयोग वर्जित है।

खण्ड–अ (वस्तुनिष्ठ प्रश्न)

प्रश्न संख्या 1 से 50 तक वस्तुनिष्ठ प्रश्न हैं जिनके साथ चार विकल्प दिए गए हैं, जिनमें से एक सही है। अपने द्वारा चुने गये सही विकल्प को OMR–शीट पर चिह्नित करें।

बहुवैकल्पिक उत्तरों में से सही उत्तर दें :–

1. 'बातचीत' शीर्षक के रचनाकार हैं :

(A) जगदीश चन्द्र माथुर (B) बालकृष्ण भट्ट

(C) रामचन्द्र शुक्ल (D) शमशेर बहादुर सिंह

2. 'उषा' शीर्षक कविता के रचयिता हैं :

(A) सुभद्रा कुमारी चौहान (B) ज्ञानेन्द्रपति

(C) जयशंकर प्रसाद (D) शमशेर बहादुर सिंह

3. 'अर्द्धनारीश्वर' शीर्षक के रचनाकार हैं :

(A) रामचन्द्र शुक्ल (B) जगदीश चन्द्र माथुर

(C) हजारी प्रसाद द्विवेदी (D) रामधारी सिंह 'दिनकर'

4. 'प्रेम के पीर' के कवि कौन हैं :

(A) जायसी (B) नाभादास

(C) जयशंकर प्रसाद (D) सुभद्रा कुमारी चौहान

5. 'रोज' शीर्षक कहानी के लेखक कौन हैं :

(A) अज्ञेय (B) मलयज

(C) रामधारी सिंह 'दिनकर' (D) नामवर सिंह

6. इनमें कौन–सी रचना प्रसाद जी की नहीं है :

(A) देवदासी (B) कामायनी

(C) झरना (D) आँसू

7. पं0 चन्द्रर शर्मा 'गुलेरी' की कहानी का नाम है :

(A) तिरिछ (B) जूठन

(C) उसने कहा था (D) इनमें से कोई नहीं

8. श्री कृष्ण ने किस पर आक्रमण किया था ?

(A) रावण पर (B) कंस पर

(C) सहस्त्रबाहु पर (D) इनमें से किसी पर नहीं

9. निम्नांकित में से कौन–से रचनाकार बिहार के हैं ?

(A) शमशेर बहादुर सिंह (B) रामधारी सिंह 'दिनकर'

(C) मोहन राकेश (D) जगदीश चन्द्र माथुर

10. तुलसीदास अपना पेट कैसे भरते थे ?

(A) कविताएँ करके (B) कथावाचन से

(C) रामकथा गाकर (D) राम श्री राम का नाम लेकर

11. 'शिक्षा' शीर्षक निबंध के निबंधकार कौन हैं ?

(A) जे0 कृष्णमूर्ति (B) उदय प्रकाश

(C) मलयज (D) मोहन राकेश

12. 'गाँव का घर' कविता के कवि हैं :

(A) ज्ञानेन्द्रपति (B) जयशंकर प्रसाद

(C) रघुवीर सहाय (D) इनमें से कोई नहीं

13. 'ओ सदानीरा' शीर्षक में किस महापुरुष की चर्चा हैं ?

(A) बाल गंगाधर तिलक (B) महात्मा गाँधी

(C) मदन मोहन मालवीय (D) चन्द्रशेखर 'आजाद'

14. 'भगवान श्री कृष्ण' किस कवि के पूज्य थे ?

(A) सूरदास (B) तुलसीदास

(C) नाभादास (D) कबीरदास

15. 'जूठन'ष्शीर्षक की विधा क्या है ?

(A) कहानी (B) शब्द–चित्र

(C) आत्मकथा (D) इनमें से कोई नहीं

16. 'जयशंकर प्रसाद' की श्रेष्ठ कृति है :

(A) कामायनी (B) लहर

(C) आँसू (D) चित्राधार

17. निम्नांकित में कौन अज्ञेय का उपन्यास नहीं है :

(A) अपने–अपने अजनबी (B) नदी के द्वीप

(C) शेखर : एक जीवनी (D) त्रिवेणी

18. 'मुक्तिबोध' का जन्म हुआ था :

(A) रामगढ़ में (B) भोपाल में

(C) श्योपुर में (D) वाराणसी में

19. 'मालती' किस शीर्षक की पात्रा है ?

(A) रोज की (B) जूठन की

(C) ओ सदानीरा की (D) तिरिछ की

20. सुभद्रा कुमारी चौहान की मृत्यु का कारण था :

(A) महामारी

(B) कार दुर्घटना

(C) फाँसी

(D) गोली

21. 'रजनीश' का सन्धि–विच्छेद है :

(A) रज + नीश

(B) रजनी + ईश

(C) रजणी + इश

(D) राज + ईश

22. 'पावन' का सन्धि–विच्छेद है :

(A) पा + वन

(B) पो + अन

(C) पौ + अन

(D) इनमें से कोई नहीं

23. 'सत्कार' का सन्धि–विच्छेद है:

(A) सत + कार

(B) सत् + कार

(C) सम् + कार

(D) स. + आकार

24. 'विद्यालय' का सन्धि–विच्छेद है :

(A) विद्या + आलय

(B) विद्या + लय

(C) विद्या + अलय

(D) इनमें से कोई नहीं

25. 'दिनेश' का सन्धि–विच्छेद है :

(A) दिन + ईश

(B) दिन + इश

(C) दि + नेश

(D) दीन + ईश

26. 'आगमन' में कौन–सा उपसर्ग है ?

(A) अ

(B) आ

(C) आग्

(D) इनमें से कोई नहीं

27. 'पूर्णिमा' में कौन–सा प्रत्यय है ?

(A) इमा
(B) ईमा
(C) एमा
(D) इनमें से कोई नहीं

28. 'जलज' कौन–सा समास है ?

(A) तत्पुरुष
(B) अव्ययीभाव
(C) कर्मधारय
(D) द्वन्द्व

29. 'देवालय' कौन–सा समास है ?

(A) कर्मधारय
(B) अव्ययीभाव
(C) तत्पुरुष
(D) इनमें से कोई नहीं

30. 'लम्बोदर' कौन–सा समास है :

(A) बहुव्रीहि
(B) तत्पुरुष
(C) कर्मधारय
(D) द्वन्द्व

31. 'रात–दिन' कौन–सा समास है :

(A) द्विगु
(B) बहुव्रीहि
(C) द्वन्द्व
(D) इनमें से कोई नहीं

32. 'प्रतिदिन' कौन–सा समास है :

(A) अव्ययीभाव
(B) बहुव्रीहि
(C) तत्पुरुष
(D) कर्मधारय

33. 'आग' का पर्यायवाची शब्द है :

(A) व्योम
(B) पयोज
(C) अग्नि
(D) पीयूष

34. 'ईश्वर' का पर्यायवाची शब्द है :

(A) आत्मा
(B) परमात्मा
(C) देवेन्द्र
(D) शंकर

35. 'अन्धकार' का विलोम है :

(A) प्रकाश
(B) दिन
(C) उजला
(D) सूर्य

36. 'अदेह' का विलोम है :

(A) विदेह
(B) सुदेह
C सदेह
(D) इनमें से कोई नहीं

37. 'गोरा' का विलोम है :

(A) गौर
(B) काला
(C) कुरुप
(D) श्यामला

38. 'ठण्ढ़ा' का विलोम है :

(A) अग्नि
(B) गर्म
(C) वाष्प
(D) चिनगारी

39. 'दिवाकर' का विलोम है :

(A) निशाकर
(B) निशाचर
(C) रजनी
(D) तमस

40. 'साधारण' का विपरीतार्थक शब्द है :

(A) असामान्य
(B) असाधारण
(C) अस्वाभाविक
(D) इनमें से कोई नहीं

41. 'जिसका आचरण अच्छा है' के लिए एक शब्द है :

(A) दुराचारी (B) सदाचारी

(C) सबल (D) बलवान

42. 'जिसके पास धन न हो' के लिए एक शब्द है :

(A) निर्धन (B) निर्दयी

(C) कठोर (D) जिज्ञासु

43. 'घोड़ा बेचकर सोना' मुहावरा का अर्थ है :

(A) गहरी नींद में सोना (B) निश्चिंत होना

(C) अधिक मुनाफा कमाना (D) व्यापार करना

44. 'चैन की वंशी बजाना' मुहावरा का अर्थ है:

(A) मनोरंजन करना (B) सुखी रहना

(C) समृद्ध होना (D) आराम से रहना

45. 'राई का पहाड़ बनाना' मुहावरा का अर्थ है :

(A) चुगली करना

(B) छोटी बात को बढ़ा–चढ़ा कर कहना

(C) असंभव को संभव करना

(D) इनमें से कोई नहीं

46. 'हाथ–पाँव मारना' मुहावरा का अर्थ है :

(A) प्रयास करना (B) नदी में तैरना

(C) पिटाई करना (D) इशारा करना

47. 'हवा से बातें करना' मुहावरे का अर्थ है :

(A) धीरे चलना
(B) तेज दौड़ना
(C) बहुत तरक्की करना
(D) इनमें से कोई नहीं

48. 'धर्म' का विशेषण है :

(A) धार्मिक
(B) धर्मज्ञ
(C) धर्मा
(D) इनमें से कोई नहीं

49. 'राष्ट्र' का विशेषण है :

(A) राष्ट्रीयता
(B) राष्ट्रीय
(C) राष्ट्रवाद
(D) राष्ट्रसंघ

50. 'चरित्र' का विशेषण है :

(A) चारित्रिक
(B) चरित्रवान
(C) सुचरित्र
(D) इनमें से कोई नहीं

९

खण्ड – ब (विषयनिष्ठ प्रश्न)

विषयनिष्ठ प्रश्न कुल 50 अंकों का होगा।

1. किसी एक पर निबंध लिखें : 1 X 8 = 8

विद्यार्थी जीवन और खेल–कूद, होली, दहेज–प्रथा:

सामाजिक अभिशाप, आधुनिक भारतीय नारी, विज्ञान का चमत्कार

2. किन्हीं दो की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : 2 X 4 = 8

(क). आत्महत्या एक घृणित अपराध है। यह पूर्णतः कायरता का कार्य है।

(ख). नारी और नर एक ही द्रव्य की ढ़ली दो प्रतिमाएँ हैं।

(ग). पूरब पश्चिम से आते हैं।

नंगे बूचे नर–कंकाल

सिंहासन पर, बैठा , उनके

तमगे कौन लगाता है।

(घ). बड़ा कठिन है बेटा खोकर।

माँ को अपना मन समझाना।।

3. अपने कॉलेज के प्रधानाचार्य को एक आवेदन–पत्र लिखें, जिसमें कॉलेज परिसर में हिन्दी–दिवस आयोजित करने की अनुमति की माँग हो। 1 X 5 = 5

अथवा

अपने पिताजी को एक पत्र लिखें, जिसमें गर्म कपड़े खरीदने के लिए रुपये की मांग हो।

4. निम्नांकित प्रश्नों में से किन्हीं पाँच के उत्तर दें। 2 X 5 = 10

(i). भ्रष्टाचार की जड़ क्या है ? क्या आप जे0 पी0 के विचारों से सहमत हैं ?

(ii). अगर मनुष्य में वाक्‌शक्ति न होती तो क्या होता ?

(iii). लहना सिंह कौन है ?

(iv). मालती कौन थी ?

(v). लहना सिंह के साथी का क्या नाम है ?

(vi). राम का नाम सुनते ही तुलसीदास की बिगड़ी बात बन जाएगी, तुलसीदास के इस भरोसे का कारण स्पष्ट करें ?

(vii). पुत्र के लिए उसकी माँ क्या–क्या करती है ?

(viii). 'राख से लीपा हुआ चौका' के बारे में कवि का क्या कहना है ?

(xi). 'जन–जन का चेहरा एक' से कवि का क्या तात्पर्य है ?

(x). 'पद्‌मावत्' के रचनाकार कौन हैं ?

5. निम्नांकित प्रश्नों में से किन्हीं तीन के उत्तर दें : 3 X 5 =15

(i). विशनी केवल मानक की माँ नहीं है बल्कि हर सिपाही की माँ है, कैसे ?

(ii). 'जूठन' कहानी का सार अपने शब्दों में लिखें।

(iii). 'ओ सदानीरा' का केन्द्रीय भाव लिखें।

(iv). 'कविता की बिंव योजना' पर टिप्पणी लिखें।

(v). सुभद्रा कुमारी चौहान का जन्म कब और कहाँ हुआ था ?

(vi). 'उषा' कविता का केन्द्रीय भाव लिखें।

6. संक्षेपण करें : 1 X 4 = 4

दूसरों की निन्दा करने का एक प्रमुख कारण दूसरे के प्रति ईर्ष्या–द्वेष भी होता है। कुछ लोग ईर्ष्या–द्वेष से दूसरों की निंदा करते हैं। इस प्रकार की निंदा सरस नहीं होती है। उसमें आनंद नहीं आता। निंदा करने का जो आनंद समर्पित भाव से निंदा करने में आता है, वह ईर्ष्या–द्वेष रखकर निंदा करने में नहीं आता है। निन्दा करने वाला सदा दुखी और अशान्त रहता है। उससे दूसरों की उन्नति, प्रगति, सुख, समृद्धि सहन नहीं होती। अपनी असमर्थता और हीनता के कारण उसमें ईर्ष्या–द्वेष उत्पन्न होता है। दूसरों की निन्दा करने पर उसे थोड़ी–सी शान्ति मिलती है। ऐसा निन्दक दया का पात्र होता है।